

# शेर, पहचान, चार हाथ, साँझा (CH- 14) Detailed Summary || Class 12 Hindi अंतरा

---

## पाठ की मूल संवेदना: -

---

इन चार लघु कथाओं में लेखक ने व्यवस्था, शासन तंत्र, शोषण और मजदूरों किसानों की समस्या पर करारी चोट की है।

## 1. शेर (व्यवस्था का प्रतीक)

---

‘शेर’ असगर वजाहत की एक प्रतीकात्मक और व्यंग्यपूर्ण लघुकथा है। शेर – व्यवस्था का प्रतीक है, जो अभी भी मौन रहती है। जब तक पूरी जनता उसके खिलाफ नहीं बोलती। जैसे ही व्यवस्था के खिलाफ उंगली उठाई जाती है, सत्ता उसे कुचलने की कोशिश करती है। सत्ता में बैठे लोग तरह-तरह के प्रलोभन देकर जनता को लुभाने की कोशिश करते हैं, जबकि सच तो यह है कि वे अपने उल्लू को सीधा ही कर रहे होते हैं। शेर के प्रलोभन के कारण गधों, लोमड़ियों, उल्लूओं और कुत्तों का एक समूह बिना किसी हिचकिचाहट के उसके मुँह में जा रहा था।

## प्रमाण से अधिक महत्वपूर्ण है विश्वास: -

---

भोली-भाली जनता सबूतों को ज्यादा महत्व न देकर आस्था के आधार पर शासक वर्ग की बात मानती है। यह जानते हुए कि शेर एक मांसाहारी प्राणी है, जो सबको खाता है। सभी जानवरों को यह विश्वास दिलाया जाता है कि अब शेर अहिंसा और अस्तित्ववादी का समर्थक बन गया है और जानवरों का शिकार नहीं करेगा। इसलिए जानवर उनकी बात मानते हैं और अपने आप ही सिंह के मुँह में प्रवेश कर जाते हैं। लेकिन लेखक की तरह कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो सबूतों को ज्यादा महत्वपूर्ण मानते हैं, जिन्हें सत्ता कुचलने की कोशिश करती है।

## 2. पहचान

---

### राजा द्वारा दिए गए हुकुम: -

---

राजा ने अपने राज्य में उत्पादन बढ़ाने के लिए आम जनता जैसे खैरती, रामू, छिद्दू आदि को आंखें बंद करके काम करने का आदेश दिया। अपने अपने कानों में पिघला हुआ शीशा डलवा ले, अपने होठों को सिलवाओ, क्योंकि बोलना हमेशा से ही उत्पादन में बाधक रहा है, फिर उन्हें कई चीजों को काटने और जोड़ने का आदेश दिया गया।

जिससे राजा आश्चर्यजनक रूप से दिन-रात उन्नति करने लगा।

## राजा की निरंकुशता का परिणाम: –

---

यह कहानी राज्य की तानाशाही और लालच को दर्शाती है। यदि लोग राज्य की स्थिति की अनदेखा करती हैं तो शासक वर्ग निरंकुश हो जाता है। उन्नति के नाम पर वह सारे साधन हड़प लेता है और अपना भला करता है, ऐसा शासक वर्ग बहरे, गूंगे और अंधे लोगों को पसंद करते हैं जो केवल उसके आदेशों का पालन करें। खैराती, रामू और छिद्दू ऐसे लोगों के प्रतीक हैं जो अपने राजा पर आँख बंद करके विश्वास करते हैं, लेकिन जब तक उन्होंने अपनी आँखें खोलीं, राजा बहुत मजबूत हो गया।

उसका विरोध करने की हिम्मत नहीं हुई।

## 3. चार हाथ

---

‘चार हाथ’ पूंजीवादी व्यवस्था में मजदूरों के शोषण को उजागर करता है। मिल मालिकों का लालच मजदूरों का शोषण करता है। मिल मालिक मजदूरों को केवल एक कलपुर्जे (स्पेयर पार्ट) के रूप में लेता है जिससे उन्हें लाभ होगा। वह हर संभव प्रयास करते हैं कि उन मजदूरों का अस्तित्व समाप्त हो जाए और वे विरोध की स्थिति में न रहें ताकि वे उसके कहने पर दोगुना काम कर सकें। अधिक उत्पादन की चाह में वह मजदूरों पर लोहे का हाथ लगाते हैं, जिससे सभी मजदूरों की मौत हो जाती है। अंत में वह समझते हैं कि अगर उसे अधिक उत्पादन और लाभ चाहिए, तो मजदूरी आधी कर दें और श्रमिकों को दोगुना रख दें।

## 4. साझा

---

साझा में आजादी के बाद किसानों की दुर्दशा का वर्णन किया गया है। पूँजीपतियों और गाँव के प्रभुत्वशाली वर्ग की नज़र किसान की जमीन और उत्पाद पर है, वह हर संभव प्रयास से इसे हासिल करना चाहते हैं। हाथी समाज के धनी और प्रभुत्वशाली वर्ग का प्रतीक है, जो किसानों की सारी मेहनत और कमाई को धोखे से हड़प लेते हैं और किसानों को यह पता भी नहीं चलता। किसान सक्षम होते हुए भी असहाय रहता है।